"

امید ہے

National School of Drama Final Year Students
present

Ministry of Culture
Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

हिमस्खलन
AVALANCHE

Adapted from the Turkish play ÇIĞ by
TUNCER CÜCENOĞLU

Directed by
NEEL CHAUDHURI

Translated by
RAHUL RAI

JUNE 3 - 7 2023

BAHUMUKH AUDITORIUM
National School of Drama

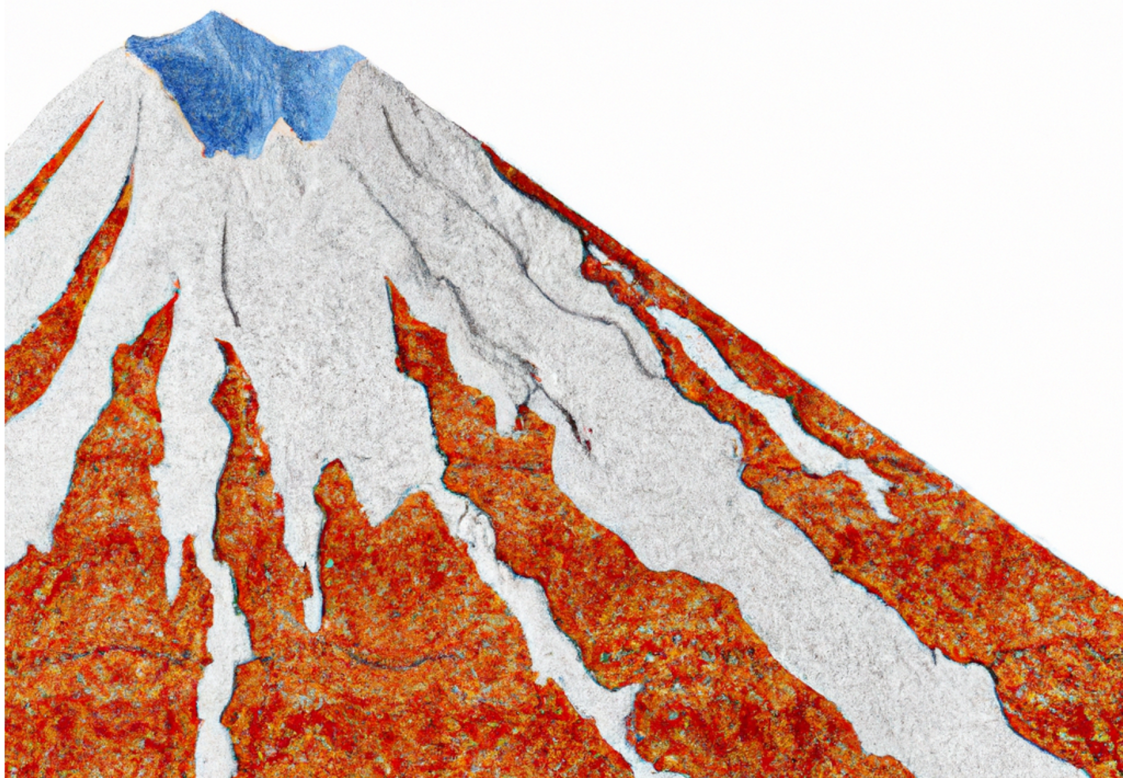

In a small and remote village surrounded on all sides by mountains, the local people do not speak loudly. They do not laugh or cry or scream because they believe the sound waves can trigger an avalanche. For nine months of the year they live a quiet life, full of dread caused by imminent, mortal danger. It is only in the three remaining months that the people shout, dance, sing, fire their rifles, get married and have children; just three safe months in a year to be free. What shall they do for the other nine months? Be quiet. In fear.

चारों तरफ से पहाड़ों से घिरे एक छोटे और सुदूरवर्ती गाँव में स्थानीय लोग ऊँची आवाज़ में बात नहीं करते हैं। वे हँसते या रोते या चिल्लाते नहीं हैं क्योंकि उनका मानना है कि ध्वनि तरंगें हिमस्खलन का कारण बन सकती हैं। साल के नौ महीनों तक वे आसन्न, नश्वर ख़तरे के कारण भय से भरा हुआ एक शान्त जीवन जीते हैं। केवल शेष तीन महीनों में ही लोग चिल्लाते हैं, नाचते हैं, गाते हैं, अपनी राइफ़लें दाग़ते हैं, शादी करते हैं और बच्चे पैदा करते हैं; मुक्त होने के लिए साल में सिर्फ़ तीन सुरक्षित महीने! वे अन्य नौ महीनों तक क्या करेंगे? चुप रहें। डर में।

निर्देशकीय:

ट्यूनर कुसेनोग्लू का नाटक हिमस्खलन (अवलांच) मुझे पहली बार पढ़ते हुए लगा मानो मै कोई आधुनिक दंत कथा पढ़ रहा हूँ। नाटक का विचित्र परिवेश,पात्रों की दुर्दशा,ख़तरे की आहट सब एक साथ मिलकर एक सदाचार सीख की ओर ढकेलते से प्रतीत होते हैं। मुझे नहीं लगता कि नैतिक सीख देना रंगमंच का काम है। अगर हम ऐसा करते हैं तो हम कहानीकार मानकर चलते हैं कि हम दर्शक से ज्यादा जानते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इस नाटक के शुरुआत में हम सब एक साथ अँधेरे में हैं, इंतज़ार करते हुए। पिछले एक महीने में इस नाटक के संदिग्ध भूखंड से कुछ सामान्य, रहस्यमयी प्रश्नों का उत्तर ढूंढना हमारा प्राथमिक कार्य रहा है। ऐसी घटना संभव कैसे है?

अभिनय, परिकल्पना और निर्देशन के छात्रों की बेझिझक जिज्ञासा, कल्पना इस प्रक्रिया की ईंधन रही है। इन्होंने हिमस्खलन(अवलांच) की दुनिया की स्थिरता, धीमापन, और सबसे बढ़कर सन्नाटे के साथ-साथ अपरचित, अशांत और अलौकिक सभी आयामों को गले से लगाया और जीया, यह जानते हुए कि कभी भी हमारे शंका का सीधा या संतुष्टि पूर्ण समाधान नहीं मिलेगा।

आख़िर में, मै उम्मीद करता हूँ कि हमारा काम हमे कम से कम एक सच्चाई ढूंढने दिया: हमे उसमे विश्वास करने की ज़रूरत नहीं, जिसमें नाटक के पात्र विश्वास करते हैं या जिससे वो डरते हैं। लेकिन हमे यह स्वीकार करना चाहिए कि उनका विश्वास और डर सच है। सामूहिक रूप से उसके गवाह बने।

नील चौधरी : जून 2023

DIRECTOR'S NOTE

When I first read Tuncer Cücenoğlu's *Avalanche*, it felt like a contemporary fable. The strange premise, the predicament of the characters, the sense of imminent danger all seemed to hurtle down together towards some concise moral lesson. I don't believe that this is the work of the theatre. To begin with, it assumes that we – the storytellers – know more than the audience. The truth is that at the beginning of a play we are all together in the dark, waiting. Over the last month our primary work has been to find out way through the precarious terrain of this play to answer a simple, mysterious question. How is such a thing possible?

The fuel of this process has been the curiosity and imagination of this intrepid group of acting, design and direction students. They have embraced everything that is unfamiliar, unsettling and uncanny in the world of *Avalanche* – the stillness, the slowness, the silence and most of all, the sense that there will never be a direct or satisfying answer to our doubt. In the end I hope that our work has allowed us to find at least one truth: we do not need to believe *what* the characters in the world of the play believe, or to fear *what* they fear. But we must accept that their beliefs and fears are real and together bear witness to them.

Neel Chaudhuri | June 2023

ABOUT THE PLAYWRIGHT

TUNCER CÜCENOĞLU (April 10, 1944 - July 18, 2019) was a celebrated Turkish playwright. He graduated from Ankara University's Faculty of Languages, History and Geography. Cücenoğlu worked as an instructor, translator and columnist, and was also a membership of the Writers' Union of Turkey and the International P.E.N. Turkey Center. He wrote 27 plays, which have been translated into 32 languages.

नाटककार:

तुनचेर कुचेनोग्लु (10 अप्रैल, 1944–18 जुलाई, 2019) एक प्रसिद्ध तुर्की नाटककार थे। उन्होंने अंकारा विश्वविद्यालय के भाषा, इतिहास और भूगोल संकाय से स्नातक किया। कुसेनोग्लु ने एक प्रशिक्षक, अनुवादक और स्तंभकार के रूप में काम किया, और वह राइटर्स यूनियन ऑफ़ टर्की और इण्टरनैशनल च्.म्.छ के तुर्की केंद्र के सदस्य भी थे। उन्होंने 27 नाटक लिखे, जिनका 32 भाषाओं में अनुवाद हो चुका है।

CAST

YOUNG WOMAN | Anjali
YOUNG MAN | Abhijit Kumar Sinha / Dipu Rabha
WOMAN | Priyadarshini Puja
MAN | Amogh Kushwaha
OLD WOMAN | Garima Diwakar
OLD MAN | Jitendra Pal Singh
MIDWIFE | Aparna Kapoor
PRESIDENT | Vishal Saini
GUARD 2 | Abhijit Kumar Sinha / Dipu Rabha

GUEST ACTORS
FEMALE COMMITTEE MEMBER | Apsara Khan
MALE COMMITTEE MEMBER &
OLD MAN'S BROTHER | Chandan Kumar
GUARD 1 | Partha Pratim Hazarika

पात्रः
युवा महिला : अंजलि
युवा पुरुष : अभिजीत कुमार सिन्हा / दीपू राभा
महिला : प्रियदर्शिनी पूजा
पुरुष : अमोघ कुशवाहा
बूढ़ी औरत : गरिमा दिवाकर
बूढ़ा आदमी : जितेंद्र पाल सिंह
मिडवाइफ़ : अपर्णा कपूर
प्रेसिडेण्ट : विशाल सैनी
गार्ड 2 : अभिजीत कुमार सिन्हा / दीपू राभा

अतिथि अभिनेताः
महिला समिति सदस्य : अप्सरा ख़ान
पुरुष समिति सदस्य / बूढ़े आदमी का भाई : चंदन कुमार
गार्ड 1 : पार्थ प्रतिम हज़ारिका

ABOUT THE DIRECTOR

Neel Chaudhuri is a playwright and theatre director based in New Delhi. He is a founder-member and former Artistic Director of The Tadpole Repertory. His plays include *Godspeed* (TFA Award for Creative Writing 2009), *Taramandal* (The Hindu MetroPlus Playwright Award 2010), *Still and Still Moving* (developed in collaboration with the Royal Court Theatre, London) and most recently, *Quicksand*.
Neel is a member of the Lincoln Center Directors Lab in New York, and PLUTO, a collective of international theatre directors, whose first collaborative work *Black Box*, premiered in Buenos Aires in 2020. He is visiting faculty at Ashoka University and Drama School Mumbai, where he is the Head of Dramaturgy. Neel has received the Vinod Doshi Fellowship, the Aditya Vikram Birla Kalakiran Puraskar and the Shankar Nag Award for his work in the theatre.
Neel previously worked with the students of the National School of Drama in 2022, directing Anton Chekhov's *The Sea Gull*.

निर्देशकः
नील चौधरी नई दिल्ली आधारित एक नाटककार और रंगमंच निर्देशक हैं। वे दि टैडपोल रिपर्टरी के संस्थापक–सदस्य और पूर्व कलात्मक निदेशक हैं। उनके नाटकों में गॉडस्पीड (रचनात्मक लेखन के लिए टी.एफ़.ए. अवॉर्ड 2009), तारामंडल (दि हिंदू मेट्रोप्लस प्लेराइट अवार्ड 2010), स्टिल ऐण्ड स्टिल मूविंग (रॉयल कॉर्ट थिएटर, लंदन के सहयोग से विकसित) और हाल ही में क्विकसैंड शामिल हैं।
नील न्यूयॉर्क में लिंकन सेंटर डायरेक्टर्स लैब और अंतर्राष्ट्रीय रंग निर्देशकों के समूह च्स्न्ज्ज के सदस्य हैं, जिसके पहले सहभागी कार्य ब्लैक बॉक्स का प्रीमियर 2020 में ब्यूनस आयर्स में हुआ था। वह अशोका यूनिवर्सिटी और ड्रामा स्कूल मुंबई में अतिथि संकाय हैं, जहाँ वह नाट्यशास्त्र के प्रमुख हैं। नील को रंगमंच में उनके काम के लिए विनोद दोषी फ़ैलोशिप, आदित्य विक्रम बिड़ला कलाकिरण पुरस्कार और शंकर नाग पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
नील ने पूर्व में 2022 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के छात्रों के साथ अंतोन चेख़व के नाटक 'दि सीगल' का निर्देशन किया था।

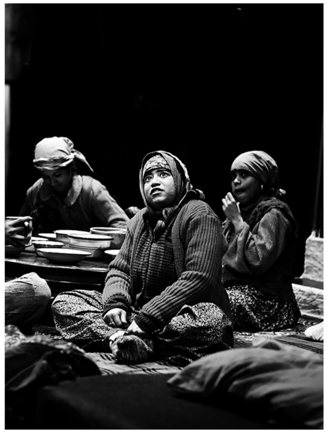
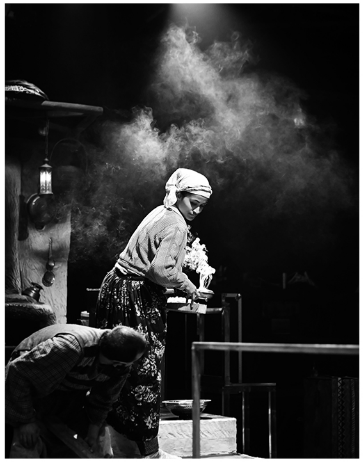

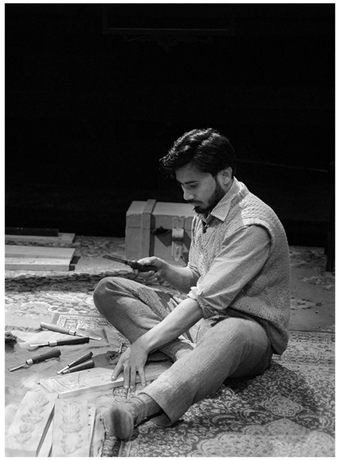
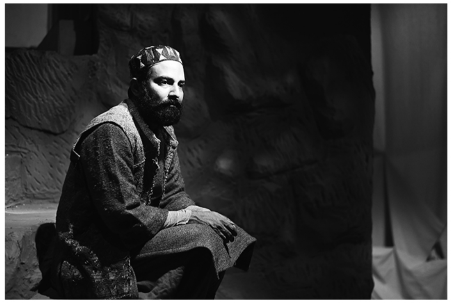

DESIGN AND DIRECTION TEAM

SCENOGRAPHY | Dillip Majhi

ASSISTANT DIRECTOR & STAGE MANAGER | Hriturekha Nath

LIGHTING DESIGN | Owes Md Khan

COSTUME ASSISTANTS |Kumari Pooja, Madhu M

PRODUCTION ASSISTANT | Dayalwati

COSTUME DESIGN | Kanchan Ujjal

LIGHTING DESIGN GUIDE | Anuj Chopra

MOVEMENT AND VOICE INSTRUCTOR | Uma Katju

TRANSLATION | Rahul Rai

SOUND DESIGN | Neel Chaudhuri

PUBLICITY PHOTOGRAPHS | Siddharth Saurabh

अभिकल्पना और निर्देशन टीम

सीनोग्राफ़ी : दिलीप मांझी

सहायक निर्देशक और मंच प्रबंधक : हृतरेखा नाथ

प्रकाश अभिकल्पना : ओवेस मोहम्मद ख़ान

वेशभूषा सहायक: कुमारी पूजा मधु एम

प्रस्तुति सहायक : दयालवती

वेशभूषा अभिकल्पना : कंचन उज्जल

प्रकाश अभिकल्पना मार्ग दर्शन : अनुज चोपड़ा

गति एवं स्वर प्रशिक्षक : उमा काटजू

अनुवादक : राहुल राइ

साउंड डिज़ाइन : नील चौधरी

प्रचार तस्वीरें : सिद्धार्थ सौरभ